रजि. 2199-57 ❋ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ❋ जनवरी-मार्च, 2025

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ

संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर

वर्ष-70 अंक : 01

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.

Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com

http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की गतिविधियाँ

डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा साक्षरता निकेतन परिसर के कबीर थियेटर में दिनांक 15.02.2025 को डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर के इस पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि श्री रवीन्द्र सिंह, आई.ए.एस. (से.नि.) सदस्य-सचिव, भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट, नई दिल्ली थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.), अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश रेरा एवं इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ ने किया।

उक्त समारोह में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान सदस्य श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस.(से.नि.),श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस.(से.नि.), सदस्य, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अतिरिक्त श्री विक्रमाजीत तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) सहित अनेक गणमान्य महानुभाव उपस्थित रहे।

इस वर्ष का 'डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार-2024' जिला कारागार, फतेहपुर को साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए तथा अन्नपूर्णा महिला स्वयं सहायता समूह, बरेली एवं गंगा महिला स्वयं सहायता समूह, मुजफ्फरनगर को कृषि कार्य में अभिनव प्रयोग के लिए प्रदान किया गया। पुरस्कृत संस्थाओं को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के द्वारा नकद धनराशि- ₹50 हजार एवं ₹25-25 हजार, स्मृति-चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि डॉ. वेल्दी फिशर ने महात्मा गाँधी की प्रेरणा से भारत में

निरक्षरता के अन्धकार को मिटाने का बीड़ा उठाया था। उत्तर प्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल श्री के. एम. मुंशी के आग्रह पर डॉ. फिशर ने वर्ष 1956 में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (साक्षरता निकेतन), लखनऊ की स्थापना की। डॉ. वेल्दी फिशर के द्वारा साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा तथा कृषि विकास आदि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार वर्ष 2023 से प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रवीन्द्र सिंह ने डॉ. वेल्दी फिशर के विषय में कहा कि वे अमेरिका अथवा भारत की नागरिक नहीं, बल्कि वो विश्व-नागरिक थीं। उनका असाक्षर समाज के प्रति समर्पित प्रेरणादायक जीवन एवं व्यक्तित्व अनुकरणीय है।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में बताया कि डॉ. वेल्दी फिशर को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1980 में उनके सम्मान में 30 पैसे का डाक टिकट भी जारी किया गया था। उनके द्वारा स्थापित इण्डिया लिटरेसी बोर्ड आज भी उनके सिद्धान्तों के आधार पर समाज की सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा पुरस्कृत संस्थाओं में सर्वप्रथम श्री पी.के. त्रिपाठी, अधीक्षक, जिला कारागार, फतेहपुर ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 'डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार' को प्राप्त कर मैं गौरवान्वित हूँ और इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की पुरस्कार समिति का कृतज्ञ हूँ। इससे हमें भविष्य में अधिकाधिक समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

गंगा महिला स्वयं सहायता समूह, मुजफ्फरनगर की अध्यक्ष, सुश्री पूजा चौहान पुरस्कार प्राप्त कर काफी प्रसन्न दिखीं। कृषि कार्य में अभिनव प्रयोग पर उन्होंने बताया कि कोविड काल में जीविकोपार्जन के लिए गन्ना विकास विभाग, उ.प्र. के सहयोग से वर्ष 2021 में गंगा महिला स्वयं सहायता समूह का गठन किया था। मुझे प्रसन्नता है कि इण्डिया लिटरेसी बोर्ड ने हमारी मेहनत और संघर्ष को पुरस्कृत कर हमारा उत्साहवर्द्धन किया है। मैं समूह के सभी सदस्यों की ओर से इण्डिया लिटरेसी बोर्ड का आभार व्यक्त करती हूँ।

कोविड महामारी के दौरान अन्नपूर्णा महिला स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया था। समूह की अध्यक्ष, सुश्री बिन्द्रावती ने 'डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार' प्राप्त कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा प्रारम्भ किया गया यह पुरस्कार बोर्ड का एक अत्यन्त सराहनीय कदम है। मैं इस प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान करने के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड का हृदय से धन्यवाद करती हूँ।

कार्यक्रम के अन्त में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार, श्री प्रवीन टण्डन ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में आई.एल.बी. के विशेष कार्याधिकारी श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, श्री सुधाकर मान सिंह, श्री राम चन्द्र यादव, श्री प्रदीप कुमार सिंह एवं सुश्री शालिनी सक्सेना के साथ ही इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की सभी इकाइयों के अधिकारी-कर्मचारी एवं अकादमी के विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे। □□□

26 जनवरी का आयोजन

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के मुख्य प्रशासनिक कार्यालय, साक्षरता निकेतन परिसर में 26 जनवरी, 2025 का आयोजन उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर निकेतन परिसर में संचालित इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की सभी इकाईयों के अधिकारी व कर्मचारीगण सम्मिलित हुए। सर्वप्रथम निकेतन परिसर में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) एवं निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात सभी ने सम्मिलित स्वर में राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर निकेतन परिसर में संचालित वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दी गई। मिष्ठान्न वितरण के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का समापन किया गया।

□□□

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री एन.के.एस. चौहान, आई.ए.एस. (से.नि.)	कोषाध्यक्ष
4.	न्यायमूर्ति राजमणि चौहान (से.नि.)	सदस्य
5.	श्री सुभाष कुमार, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
6.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	डॉ. उर्वशी साहनी, शिक्षाविद	सदस्य
9.	श्री विष्णु प्रताप सिंह, पूर्व निदेशक (कृषि), उ.प्र.	सदस्य
10.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
11.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
13.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
14.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
15.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
16.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
17.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
18.	सुश्री सुषमा ढौडियाल, वरिष्ठ सहायक	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	श्री देवी प्रसाद, प्लम्बर	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
20.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

उल्लास मेले का आयोजन

साक्षरता को जन आन्दोलन बनाने और असाक्षरों को शिक्षा से जोड़ने के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के कानपुर रोड स्थित साक्षरता निकेतन परिसर में राज्य स्तरीय 'उल्लास मेले' का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री मा. संदीप सिंह ने किया। इस अवसर पर महानिदेशक स्कूल शिक्षा सुश्री कंचन वर्मा, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस.(से.नि.), साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशक श्री भगवती सिंह, एससीईआरटी के निदेशक श्री गणेश कुमार, बेसिक शिक्षा निदेशक, श्री प्रताप सिंह बघेल एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की अवर सचिव सुश्री विद्यावती सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित हुए।

उल्लास मेले में अनेक जनपदों के स्टाल भी लगाए गए जिनका मंत्री महोदय ने निरीक्षण किया और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। कानपुर की 56 वर्षीय सुश्री मालती देवी के स्टाल की उपस्थित जनों ने काफी प्रशंसा किया। सुश्री मालती देवी ने बताया कि वह पहले अंगूठा ही लगाती थीं, परन्तु अब आकृतियों की पहचान के माध्यम से दूसरों को अक्षर ज्ञान करा रही हैं। इसी प्रकार सुश्री शिवरानी और सुश्री रीना वर्मा

आदि अनेक उत्साही महिलाएँ निरक्षर से साक्षर बनी और अब अन्य लोगों को साक्षर कर रही हैं।

इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए राज्यमंत्री बेसिक शिक्षा मा. संदीप सिंह ने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की प्रगति सम्भव है। असाक्षर व्यक्ति न तो अपनी बात स्पष्ट रूप से रख पाता है और न ही केन्द्र व राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ उठा पाता है। इसलिए हर नागरिक को शिक्षित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत अब तक पाँच लाख से अधिक असाक्षरों को साक्षर किया जा चुका है।

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की गतिविधियाँ

शैक्षिक गतिविधियाँ : अकादमी के छात्रों को सरकार द्वारा शुरू किया गया 'परीक्षा-पे-चर्चा' कार्यक्रम दिखाया गया। छात्रों ने इसे बहुत ध्यान से देखा और भरपूर आनन्द लिया। आदरणीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में छात्रों का परीक्षा के प्रति भय आत्मविश्वास में बदल गया। इससे छात्र अधिक प्रसन्न और संतुष्ट दिखाई दिए।

प्री-बोर्ड परीक्षा : कक्षा-10 की प्री-बोर्ड परीक्षा जनवरी माह में दिनांक 07.01.2025 से दिनांक 11.01.2025 तक तथा कक्षा नर्सरी से कक्षा-9 तक की वार्षिक परीक्षा दिनांक 05.03.2025 से 12.03.2025 तक अकादमी परिसर में आयोजित की गई।

मूल्यांकन : किसी छात्र की योग्यता, क्षमता और उसकी ग्राह्य क्षमता का ऑकलन एक सतत प्रक्रिया है। यह छात्र की प्रगति को निर्धारित करने हेतु वर्तमान शिक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। अकादमी ने दिनांक 03-07 फरवरी, 2025 के मध्य छात्र मूल्यांकन हेतु टेस्ट आयोजित किए।

अभिभावक-शिक्षक बैठक- प्री-प्राइमरी अभिभावक-शिक्षक बैठक दिनांक 25.03.2025 को और कक्षा 1 से कक्षा-9 की अभिभावक-शिक्षक बैठक 27.03.2025 को आयोजित की गई। अभिभावक-शिक्षक बैठक में छात्रों के माता-पिता अथवा अभिभावक के साथ व्यक्तिगत चर्चा की जाती है। इस अवधि में शिक्षकों द्वारा अपने छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन की समीक्षा की गई तथा अभिभावकों से उनकी प्रतिक्रिया भी प्राप्त की गई, जिससे अकादमी द्वारा प्रत्येक छात्र के व्यक्तित्व और विकास की सम्यक निगरानी की जा सके। अकादमी का आगामी नवीन शैक्षिक सत्र 2025-26 दिनांक 01 अप्रैल 2025 से प्रारम्भ हुआ।

सह-पाठ्यचर्या एवं पाठ्येत्तर गतिविधियाँ : शैक्षिक सत्र 2024-2025 में शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा अन्य गतिविधियों में शामिल होने के लिए स्कूल में अतिरिक्त पाठ्यचर्या सम्बन्धी गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। स्कूल परिसर में 'बसंत पंचमी' का त्यौहार पूरे जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निदेशक, सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) के साथ ही अकादमी के छात्रों और शैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की पूजा अर्चना की गई।

फेब्रिक टाई एण्ड डाई कार्यशाला : कक्षा-8 और 9 के छात्रों के लिए फेब्रिक टाई एण्ड डाई कार्यशाला दिनांक 22 से 28 फरवरी, 2025 तक आयोजित की गई। इस कार्यशाला में फेब्रिक के विभिन्न रंग-संयोजनों का उपयोग करके छात्रों ने कपड़े पर रंगीन पैटर्न बनाना सीखा। इससे छात्र काफी प्रसन्न और उत्साहित हुए।

गणतन्त्र दिवस समारोह : गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर अकादमी के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति से ओतप्रोत नाटक प्रस्तुत किया। कक्षा-9 के विद्यार्थियों द्वारा वृक्ष बचाओ नाटक पर आधारित एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गयी।

आशीर्वाद समारोह- अकादमी की कक्षा-10 के विद्यार्थियों का विदाई समारोह दिनांक 8 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आई.एल.बी. के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी एवं निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी द्वारा माँ वेल्दी फिशर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के अन्त में मा. अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड ने सभी विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएँ दी तथा उन्हें 'एलुमनी-मीट' के लिए आमंत्रित किया। प्रधानाचार्य द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कक्षा-10 के सभी विद्यार्थियों को अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा उपहार दिए गए।

कृषि प्रक्षेत्र नींवा एवं बिजनौर की गतिविधियाँ

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

माह जनवरी से माह मार्च, 2025 के मध्य बिजनौर एवं नीवां कृषि प्रक्षेत्रों पर 03 दिवसीय 05 कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें निम्न विवरण के अनुसार कुल 182 स्थानीय महिला एवं पुरुष कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया :-

1. दिनांक 02-04 जनवरी, 2025-कृषि प्रक्षेत्र, बिजनौर- 39 प्रतिभागी
2. दिनांक 11-13 जनवरी, 2025-कृषि प्रक्षेत्र, बिजनौर - 37 प्रतिभागी
3. दिनांक 27-29 जनवरी, 2025 - कृषि प्रक्षेत्र, नीवां - 36 प्रतिभागी
4. दिनांक 17-19 फरवरी, 2025 - कृषि प्रक्षेत्र, नीवां - 35 प्रतिभागी
5. दिनांक 18-20 मार्च, 2025 - कृषि प्रक्षेत्र, बिजनौर - 35 प्रतिभागी

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समापन के उपरान्त प्रथम चरण में पहले 02 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले प्रगतिशील कृषकों को दिनांक 21.01.2025 को भारतीय गन्ना अनुसंस्धान, संस्थान, लखनऊ, कृषि विज्ञान केन्द्र, लखनऊ एवं बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ का शैक्षिक भ्रमण कराया गया।

दूसरे चरण में शेष 03 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले प्रगतिशील कृषकों को दिनांक 22.03.2025 को गोविन्द इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, सफेदाबाद, बाराबंकी एवं पद्मश्री सम्मान से सम्मानित प्रगतिशील किसान श्री रामशरन वर्मा के दौलतपुर जैदपुर, बाराबंकी स्थित कृषि फार्म का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। □□□

महिला कृषकों हेतु खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम

बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र पर दिनांक 25-26 मार्च, 2025 को स्थानीय महिला कृषकों हेतु 02 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 39 स्थानीय प्रगतिशील महिला कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को विभिन्न फल एवं सब्जियों का अचार, मुरब्बा, जैम-जैली, स्क्वाश, टोमैटो सॉस एवं प्यूरी बनाये जाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। □□□

केन्द्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा माह जनवरी, 2025 से मार्च, 2025 तक के माहों में कार्य करते हुए 4,000 पुस्तकों की इन्ट्री लाइब्रेरी साफ्टवेयर पर की गई। इसके अतिरिक्त 4000 पुस्तकों का क्लासिफिकेशन किया गया। लगभग 1300 पुस्तकों पर एसेशन नम्बर डाला गया। लगभग 150 पुस्तकों की बाइन्डिंग करवाई गई।

माह जनवरी, 2025 से मार्च 2025 के मध्य 18 नए सदस्यों द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय में सदस्यता प्राप्त की गई। वर्तमान में पुस्तकालय के कुल सदस्यों की संख्या 33 हो गई है। आख्यागत माहों में आने वाले पाठकों एवं वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्रों की संख्या औसतन 900 रही। इन्ट्री की गई पुस्तकों को क्लासिफिकेशन के अनुक्रम में रैक में प्रतिस्थापित किया गया और इसके साथ ही 4,000 पुस्तकों की editing की गई।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की बैठक

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की कार्यकारिणी समिति तथा साधारण सभा की बैठक दिनांक 22 फरवरी, 2025 को सम्पन्न हुई। इन बैठकों में जारी एजेन्डा के क्रम में बिन्दुवार चर्चा की गई और उल्लिखित प्रस्तावों पर संस्था के हित में सर्व सम्मति से निर्णय लिए गए।

□□□

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. की गतिविधियाँ

राज्य संसाधन केंद्र उ.प्र. लखनऊ द्वारा जनपद उन्नाव, बहराइच, प्रयागराज, तथा लखनऊ नगर निगम में कुल 61 केन्द्रों का संचालन 8 सितम्बर, 2024 से किया गया, जिसमें 1219 असाक्षरों को साक्षर किया गया। एन.आई.ओ.एस. द्वारा आयोजित बेसिक साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा दिनांक 23.03.2025 को जनपद बहराइच के विकास खण्ड- जरवल के न्याय पंचायत निम्दीपुर में 600 लाभार्थियों के सापेक्ष 600 लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया, जनपद उन्नाव के विकास खण्ड नवाबगंज के न्याय पंचायत अजगैन में 340 लाभार्थियों के सापेक्ष 322 लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया, जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड मांडा के ग्राम पंचायत धनावल में 240 लाभार्थियों के सापेक्ष 240 लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया तथा लखनऊ नगर निगम के दोनों वार्डो में लाल बहादुर शास्त्री प्रथम वार्ड में 20 लाभार्थियों के सापेक्ष 15 लाभार्थियों ने तथा लखनऊ नगर निगम वार्ड छोटी जुगौली में 19 लाभार्थियों के सापेक्ष 16 लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रकार कुल 1193 लाभार्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया।

□□□

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

क्षमता संवर्धन एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम : कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन संचालित जन शिक्षण संस्थान (सा.नि.) लखनऊ द्वारा दिनांक 18 मार्च, 2025 को साक्षरता निकेतन परिसर में संस्थान के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) के मार्गदर्शन में दो दिवसीय क्षमता संवर्धन एवं व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के उपाध्यक्ष मुख्य अतिथि श्री मयंक अग्रवाल, भारतीय मानक ब्यूरो, लखनऊ शाखा के मानकीय प्रोत्साहन अधिकारी श्री मोहित सिंह, उमंगोट सोलर की एच.आर. सुश्री दिशा रावत, श्री अभिषेक श्रीवास्तव, संस्थान के निदेशक श्री प्रदीप कुमार सिंह तथा कार्यक्रम अधिकारी श्री अवधेश कुमार ने अपने विचार रखे। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन लखनऊ के प्रतिनिधि श्री विनोद राव, सोशल मीडिया विशेषज्ञ सुश्री सुरभी श्रीवास्तव ने व्यक्तित्व विकास पर चर्चा की। समापन सत्र में मातृ संस्था इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक, सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस (से.नि.) ने प्रतिभागियों का फीडबैक प्राप्त करते हुए उनके निरन्तर आगे बढ़ने का आह्वान किया और प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

महिला उद्यमी नियोक्ताओं का सम्मान : दिनांक 08 मार्च, 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती मोनिका कुमार, सहायक जनरल मैनेजर, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे, औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने सर्वप्रथम संस्थान द्वारा संचालित कौशल केन्द्रों का भ्रमण किया और ब्यूटी असिस्टेंट पाठ्यक्रम के लिए माडल कौशल इकाई का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। प्रशिक्षिका सुश्री अनीता द्वारा गायत्री वंदना प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि और निदेशक ने स्वरोजगार एवं वेतनभोगी के रूप में एक नए कैरियर को शुरू करने के लिए 05 सफल महिला अनुदेशिकाओं श्रीमती मनीषा वर्मा, श्रीमती अनीता यादव, सुश्री प्रियंका त्रिपाठी, श्रीमती प्रिया गुप्ता, एवं श्रीमती मीनाक्षी देवी पाल को तथा 05 सफल उत्कृष्ट महिला उद्यमियों एवं महिला उद्यमी नियोक्ताओं सुश्री राखी, सुश्री सोनम सिंह, सुश्री प्रभा कुमारी, श्रीमती सुषमा भारती एवं सुश्री खुशबू मिश्रा को प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। संस्थान के सफल लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि श्रीमती मोनिका ने सभी को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के आयोजन की बधाई दी। उन्होंने महिलाओं को घर के कामों के साथ ही विभिन्न कौशल विकास के अवसरों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी प्लेटफार्मों और टोल फ्री नम्बरों के उपयोग के बारे में सूचित किया जो विशेष रूप से महिलाओं के लिए मुश्किल समय में उपयोगी होते हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस : जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ द्वारा विकास खण्ड काकोरी की ग्राम पंचायत सराय अलीपुर में अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया, जिसमें संस्थान के निदेशक श्री प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि यह दिवस पूरे विश्व के देशों में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मातृभाषा के संरक्षण और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर संस्थान के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उन्हें व्यवसाय करने हेतु प्रेरित किया गया। मंच का संचालन संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी श्री अवधेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम मिश्रा प्रशिक्षिका सुश्री किरन यादव ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। ☐☐☐

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

प्रशिक्षण की प्रगति : जन शिक्षण संस्थान कानपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-2025 में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत कार्य योजना के अनुसार 12 सेक्टर के 14 जॉबरोल में 90 बैचो के 1800 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य प्रदान किया गया था, जिसके सापेक्ष संस्थान ने शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करते हुए 1800 प्रतिभागियों के लक्ष्य को पूर्ण कर लिया है।

प्रशिक्षण केन्द्रों का निरीक्षण : निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ द्वारा जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों का अवलोकन एवं निरीक्षण दिनांक 03 जनवरी, 2025 को किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पूर्ण हो चुके प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सफल लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किया।

निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा जन शिक्षण संस्थान कानपुर के निदेशक को ब्यूटी केयर असिस्टेंट प्रशिक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गयी धनराशि से हेयर स्टीमर मशीन क्रय करने का सुझाव दिया।

निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा मीरपुर कैण्ट तथा बिरहाना रोड स्थिति प्रशिक्षण केन्द्रों का भी अवलोकन किया। अवलोकन के अन्तर्गत उन्होंने प्रशिणार्थियों को बताया कि वह अर्बन एप में स्वयं को पंजीकृत करा लें, जिससे इस एप के माध्यम से वह घर बैठे काम प्राप्त कर सकेंगे।

ऋण शिविर का आयोजन : दिनांक 04 जनवरी, 2025 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय परिसर में संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा स्किल इण्डिया डिजिटल एप एवं केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई।

स्मार्ट निवेशक जागरुकता कार्यक्रम : दिनांक 25 जनवरी, 2025 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के मीरपुर बारातशाला कैण्ट, कानपुर स्थित प्रशिक्षण केन्द्र तथा सिंहपुर कछार, स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड द्वारा 'स्मार्ट निवेशक जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सेन्ट्रल डिपाजिटरी सर्विसेज (CDSL) के स्मार्ट ट्रेनर श्री ओंकार पाल द्वारा संस्थान के लाभार्थियों को निवेश तथा बैंक ई-केवाईसी, डिजिटल लेन-देन आदि की जानकारी प्रदान की गयी।

सरकार की विभिन्न ऋण योजनाओं का लाभ पाने के लिए लाभार्थी यू.पी. का नागरिक होना चाहिये। उसकी उम्र 21 से 40 वर्ष होनी चाहिए। शैक्षिक योग्यता कम से कम आठवीं पास हो तथा सरकार से संचालित प्रशिक्षण योजना का प्रमाण-पत्र होना चाहिये। लाभार्थी फोटो, पैनकार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र के साथ msme-up-gov-in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

गणतंत्र दिवस आयोजन : दिनांक 26 जनवरी, 2025 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें राष्ट्रगान के उपरान्त संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने बताया कि आज के दिन 26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था और भारत देश को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कि हमें अधिकारों के प्रयोग के साथ-साथ अपने नैतिक कर्यत्वों को नहीं भूलना चाहिए। एक देश तभी समृद्ध बन सकता है, जब उस देश के सभी नागरिक सुसंस्कारित, मेहनतकश और अपने राष्ट्र के प्रति ईमानदार होंगे।

निवेशक जागरुकता कार्यक्रम : दिनांक 24 फरवरी, 2025 को संस्थान के अशोक नगर घाटमपुर स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड द्वारा 'स्मार्ट निवेशक जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को पी.एम. स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया बतलाई गई है। कार्यक्रम में प्रबन्ध मण्डल की माननीय सदस्य श्रीमती सुमन सिंह, सुश्री आरती देवी, श्री नरेश कुमार, सुश्री शीलम देवी, सुश्री पूर्णिमा सिंह के साथ संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी श्री कमल किशोर श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस : दिनांक 08 मार्च, 2025 को संस्थान के कार्यालय परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. अनुराधा वार्ष्णेय, माननीय सदस्य, प्रबन्ध मण्डल, जन शिक्षण संस्थान, कानपुर को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अनुराधा वार्ष्णेय ने कहा कि एक सशक्त नारी एक सशक्त समाज की पहचान है।

निदेशक ने कहा कि महिलाएँ न केवल परिवार की रीढ़ की हड्डी होती हैं, बल्कि समाज में भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज की महिला शिक्षा, राजनीति, खेल आदि सभी जगहों पर सफलता हासिल कर रही हैं। जिस तरह से एक घर को चलाने में एक महिला का योगदान होता है, उसी तरह समाज की उन्नति और तरक्की में भी महिलाओं का योगदान है।

प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम : जन शिक्षण संस्थान-कानपुर, कानपुर देहात एवं उन्नाव के संयुक्त तत्वावधान में नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उद्योग नगर, कानपुर में दो दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन दिनांक 25 मार्च, 2025 को प्रतिभागियों को ToT प्रमाण-पत्र देकर किया गया।

दो दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में एन.एस.टी.आई. के प्रशिक्षण अधिकारी श्री विनोद कुमार शर्मा द्वारा एन.एस.क्यू.एफ. पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन करने के तरीके के विषय पर, श्री रीतेश मौर्या प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा एन.एस.क्यू.एफ. के Advantage, Levels, Learning Outcome, Implementation विषय पर, श्री आशीष कुमार केसरवानी, प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा Employability Skill, Communication Skill, Adoptability के विषय पर, श्री आर.के. साहू, प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा Listening Power, Remove out EGO, Interest Development के विषय पर एवं श्री हेमन्त कुमार, प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा Digital Literacy, AI, Cyber Arrest के विषय पर व्याख्यान दिये गये।

कार्यक्रम में एन.एस.टी.आई. के डिप्टी डायरेक्टर श्री एम.एल. रस्तोगी, आर.डी.एस.डी.ई. के एडीशनल डायरेक्टर श्री शुभम शंकर, श्री ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, उन्नाव, श्री इमरान खान, निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, कानपुर देहात के साथ जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के 35, उन्नाव के 11 एवं कानपुर देहात के 30 प्रशिक्षक/प्रशिक्षिकाएँ उपस्थित रही। ❑❑❑

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-70, अंक : 01
जनवरी-मार्च, 2025

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रमः जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 22.03.2025 को विकास खण्ड विकासनगर के अन्तर्गत संचालित केन्द्रों के सफल प्रशिक्षणार्थियों को विकास खण्ड के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर विकास खण्ड, विकास नगर के माननीय ब्लॉक प्रमुख श्री सुरेन्द्र सिंह, जिला कोआपरेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष श्री सौरभ गुप्ता, विकास खण्ड अधिकारी, श्री शक्ति प्रसाद भट्ट, जन शिक्षण संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह, संदर्भदाता श्रीमती बाला रानी, श्रीमती वन्दना थपलियाल, श्रीमती श्यामा पाण्डेय, श्रीमती राधा देवी, श्रीमती रविता तोमर, श्री विनोद खन्ना व प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। वक्ताओं ने जन शिक्षण संस्थान द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस : अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन संस्थान के कार्यालय परिसर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भगत सिंह कालोनी की पार्षद श्रीमती कमली भट्ट, जन शिक्षण संस्थान, देहरादून के कार्यकर्ता, संदर्भदाता श्रीमती सीता देवी, श्रीमती आरती देवी संस्थान के प्रशिक्षणार्थी व स्थानीय महिलाएँ उपस्थित थीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पार्षद श्रीमती कमली भट्ट ने महिलाओं के सशक्तीकरण के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में चलाए गए प्रशिक्षण केन्द्रो के सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

क्षमता-अभिवृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 25 व 26 मार्च, 2025 को जिला पंचायत, देहरादून के सभागार में संदर्भदाताओं के लिए दो दिवसीय क्षमता अभिवृद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, संस्थान के कार्यकर्ता व संदर्भदाताओं ने प्रतिभाग किया।

सर्व प्रथम संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल ने संदर्भ व्यक्तियों को संस्थान के बारे जानकारी और उद्‌देश्यों से परिचित कराते हुए एक सफल उद्यमी के गुणों पर चर्चा की। ।

कार्यक्रम में प्रशिक्षक/प्रशिक्षिकाओं द्वारा अनेक प्रश्न पूछे गए। सभी प्रश्नों का सुश्री बरखा जी द्वारा सम्यक रूप से समाधान किया गया। इसमें पॉक्सों एक्ट, बाल विवाह कानून, घरेलू हिंसा, यौन हिंसा, मानव तस्करी जैसे ज्वलन्त बिन्दुओं पर भी चर्चा की गई।

व्यक्तिगत स्वच्छता, बच्चों के टीकाकरण, महिला स्वास्थ्य, व किशोरियों में होने वाले शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही सरकार के माध्यम से चलाए जा रहे स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियाँ भी दी गयी।

अन्त में खुला प्रश्नोत्तरी सत्र हुआ। जिसमें सभी प्रतिभागियों से सवाल-जवाब किए गए। प्रतिभागियों द्वारा अनेक बिन्दुओं पर जिज्ञासा व्यक्त की गई। सभी को सन्तोषजनक उत्तर दिए गए। अन्त में निदेशक महोदय द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया।

क्या है बैंकिंग लोकपाल

वर्तमान समय में लगभग सभी व्यक्तियों का बैंक में एक खाता अवश्य है। प्रधानमंत्री जन-धन खाता की योजना के बाद से तो गाँव के काफी पुरुषों के साथ ही घरेलू महिलाओं के भी खाते बैंक में हो गए हैं। इतने अधिक बैंक खाते होने से निश्चय ही कभी न कभी किसी खाताधारक को बैंक की सेवाओं से कुछ शिकायत भी हो सकती है। यदि सम्बन्धित बैंक अपने खाताधारक की शिकायत का समाधान नहीं कर पाता है तो उस खाताधारक को अपनी शिकायत के सम्यक निस्तारण के लिए बैंकिंग लोकपाल के पास जाना होता है। बैंकिंग लोकपाल, बैंकिंग से जुड़ी शिकायतों का निवारण करता है। यह भारतीय रिजर्व बैंक की एक योजना है। बैंकिंग लोकपाल, बैंकों के खिलाफ उपभोक्ताओं/खाताधारकों की शिकायतों का निवारण करने का एक उचित मंच है।

बैंकिंग लोकपाल की नियुक्ति भारत के रिजर्व बैंक द्वारा की जाती है। भारत में वर्तमान में 22 बैंकिंग लोकपाल कार्यरत हैं। बैंक के अधिकार क्षेत्र के आधार पर सम्बन्धित खाताधारक अपनी शिकायत कर सकते हैं।

बैंकिंग लोकपाल के पास शिकायत कैसे करें : बैंक लोकपाल के पास शिकायत करने की एक निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होता है। इसके लिए आप यदि बैंक के किसी कार्य से पीड़ित हैं और आप उसके खिलाफ शिकायत करना चाहते हैं तो सबसे पहले आपको अपने बैंक को ही शिकायत का उल्लेख करते हुए एक प्रार्थना पत्र देना होगा। यदि बैंक आर.बी.आई. द्वारा निर्धारित 30 दिन की समयावधि के भीतर आपको सन्तोषजनक उत्तर नहीं देता है तो आप अपनी शिकायत को आगे की कार्यवाही के लिए बढ़ा सकते हैं।

आप अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए cms-rbi-org-in पर जाएँ और शिकायत दर्ज करें। अपनी शिकायत के समर्थन में संक्षेप में उल्लेख करे और अपने दावे के समर्थन के लिए बैंक स्टेटमेंट या रसीद आदि आवश्यक प्रपत्र भी संलग्न करें। आपको अपनी शिकायत दर्ज करने के बाद एक पावती की रसीद प्राप्त होगी। शिकायत प्रेषित करने के 30 दिनों के भीतर बैंकिंग लोकपाल आपकी शिकायत पर कार्य प्रारम्भ कर देता है। आवश्यक होने पर वह आपसे सम्पर्क भी कर सकता है। आप अपनी शिकायत की स्थिति को बैंकिंग लोकपाल के पोर्टल पर भी जान सकते हैं। इस पोर्टल पर आपके दिए गए मोबाइल नम्बर पर ओटीपी सत्यापन के पश्चात आपकी शिकायत की स्थिति दर्शाई देगी।

बैंकिंग लोकपाल छोटे मूल्यवर्ग के नोटों और सिक्कों को स्वीकार न करने, ड्राफ्ट, भुगतान आदेश, बैंकर्स चेक जारी करने में विफलता, निष्पक्ष व्यवहार संहिता का पालन न करने, बैंक खाता खोलने के अनुरोध को अस्वीकार करना आदि से सम्बन्धित शिकायतों में बैंकिंग लोकपाल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

बैंकिंग लोकपाल के पास बैंकिंग अधिकारियों के विरूद्ध प्राप्त शिकायत से सम्बन्धित जानकारी माँगने का अधिकार होता है। शिकायत की गम्भीरता के आधार पर उसे दोषी को 20 लाख रुपये तक का मुआवजा दिलाने का अधिकार भी है। आर.बी.आई. के मुख्य महाप्रबन्धक या महाप्रबन्धक को प्रायः बैंकिंग लोकपाल के रूप में नियुक्त किया जाता है। लोकपाल का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है। लोकपाल की सन्तोषजनक सेवा के आधार पर उसके कार्यकाल को बढ़ाया भी जा सकता है। बैंकिंग लोकपाल के रूप में कार्य करने के लिए सम्बन्धित व्यक्ति को बैंकिंग कानून, वित्तीय सेवाओं तथा लोक प्रशासन के क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव होना चाहिए।

यदि कोई खाताधारक/ग्राहक बैंकिंग लोकपाल द्वारा लिए गए निर्णय से असन्तुष्ट है, तो वह बैंकिंग लोकपाल के निर्णय की दिनांक के 30 दिनों के भीतर अपीलीय प्राधिकरण अर्थात आर.बी.आई. के डिप्टी गवर्नर को अपनी शिकायत प्रेषित कर सकता है। परन्तु ग्राहक को सबसे पहले अपनी शिकायत सम्बन्धित बैंक में ही करनी होती है। उसके पश्चात बैंकिंग लोकपाल में अथवा आर.बी.आई. के डिप्टी गवर्नर जैसी स्थिति हो, के समक्ष अपनी शिकायत प्रेषित कर सकता है।

बैंकिंग लोकपाल ग्राहकों के अधिकारों की रक्षा के निमित्त गठित किया गया है। यह बैंक के समस्त प्रकार के खाता धारकों की शिकायतों अथवा समस्याओं को हल करने में उनकी मदद करता है। बैंकिंग लोकपाल से संपर्क करना और शिकायत दर्ज कराने में किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं देना होता है यह सेवा पूर्णतः निःशुल्क है। ◻◻◻

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर उजाला- ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।
सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव